# लद्दाख केन्द्र शासित प्रदेश स्थापना दिवस समारोह में माननीय राज्यपाल महोदय का संबोधन

(दिनांक 31 अक्टूबर 2023)

**जय हिन्द!**

**लद्दाख केन्द्र शासित प्रदेश** स्थापना दिवस समारोह में उपस्थित महानुभाव!

**'लद्दाख केन्द्र शासित प्रदेश स्थापना दिवस'** पर **आप सभी को हार्दिक बधाई** एवं **शुभकामनाएं!**

आज के **ये आयोजन** एक **ऐतिहासिक अवसर है जो हमें भारत के विविध राज्यों के विषय में जानने और समझने का बहुत ही सुन्दर अवसर प्रदान करता है।**

**लद्दाख की धरती भारत की महान हिमालयी सीमा विस्तार के साथ शक्ति, शौर्य, पराक्रम, संस्कृति एवं भारतीय गौरव की धरती है।**

लद्दाख भारत की एक विशेष भौगोलिक संरचना के साथ ही अत्यन्त उत्कृष्ट सांस्कृतिक परम्परा का भी प्रतिनिधित्व करना है।

भगवान बुद्ध के सिद्धान्तो पर चलने वाली असंख्य धर्मप्राण जनता लद्दाख में निवास करती है।

लद्दाख भारत की सामरिक रणनीति की भी बहुत ही महत्पूर्ण भूमि है। इस धरती पर हमनें अनेक युद्ध लड़े, भारतीय वीरता और पराक्रम का शौर्य प्रदर्शन भी किया है।

लद्दाख हमारी विशिष्ट कला, संस्कृति, अध्यात्म और राष्ट्रीय भावना से जुड़ा राज्य भी है।

भारत की हजारों वर्षों से सिन्धु सभ्यता, हिन्दू संस्कृति की जो पहचान विश्वभर में है, वह पवित्र सिन्धु नदी लद्दाख में प्रवाहित होती है, यह लद्दाख के महत्व को बताता है।

सिन्धु नदी भारत की सांस्कृतिक पहचान है। आध्यात्मिक और भौतिक उन्नति का स्मरण कराती है।

कभी सिन्धु सभ्यता का विस्तार हजारों योजन दूर तक फैला था जो हमें भारत के प्राचीन इतिहास और शक्ति का स्मरण कराता है।

भारत की जीवंत संस्कृति की गतिशीलता ने हमारे सांस्कृतिक और राजनैतिक विकास को एक बहुत बड़ी प्रेरणा प्रदान की।

भारत आज विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। भारत के लोकतंत्र के महान संविधान से आज देश निरंतर प्रगति और उन्नति कर रहा है।

भारत के संविधान में कही गयी राष्ट्र की एकता और अखंडता के लिए संविधान में दी गयी न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व की भावना एक सौ चालीस करोड़ भारतवासियों को एक सूत्र में जोड़ती है।

आज लद्दाख केन्द्र शासित प्रदेशज्ञ की स्थापना का यह अवसर हमारी उस गौरव गाथा को याद करने का असवर है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी इस देश की एकता और अखंडता के अनोखे तत्व को संजोए रखने के लिए निरंतर प्रयत्न कर रहे हैं।

हम सबका यह प्रयत्न भी देश की एकता के लिए एक साधन है जब सभी राजभवनों में राज्यों के स्थापना दिवस मनाए जाने की यह नयी परम्परा प्रारम्भ हुई है।

अभी हाल ही में 31 अक्टूबर 2019 को लद्दाख केंद्र शासित प्रदेश के रूप में अस्तित्व में आया तो यह लद्दाख के लोगों के लिए एक असंभव सा लगने

वाला सपना था जो केन्द्र सरकार के दृढ़ संकल्प के बल पर संभव हो सका है।

यह बहुत ही सुन्दर अवसर है आज हम एक बहुत ही महत्वपूर्ण केन्द्र शासित राज्य लद्दाख की सुंदरता और विशिष्टता और सांस्कृतिक विविधता के साथ याद कर रहे हैं।

ये भारतवासियों को एक सूत्र में जोड़ने के लिए अनोखा उदाहरण है। इस अवसर पर मैं केन्द्र शासित राज्य लद्दाख से यहां उपस्थित सभी महानुभावों को इस महान अवसर पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देता हूँ।

यहां केन्द्र शासित राज्य लद्दाख की **स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम का बहुत ही सुन्दर आयोजन हुआ,** मैं आप सभी की दिल की गहराईयों से प्रशंसा करता हूँ।

एक बार फिर से **आप सभी को भी हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देता हूँ।**

**जय हिन्द!**

**संलग्न – सहायक सामग्री**

## लद्दाख के विषय में सहायक सामग्री

केन्द्र शासित प्रदेश लद्दाख के अन्तर्गत पाक अधिकृत गिलगित बलतिस्तान, चीन अधिकृत अक्साई चिन और शक्सगम घाटी का क्षेत्र भी शामिल है ।

31 अक्टूबर 2019 को लद्दाख केंद्र शासित प्रदेश के रूप में अस्तित्व में आया। यह केंद्र शासित राज्य लद्दाख अपनी सुदूर पहाड़ी सुंदरता और विशिष्ट संस्कृति के लिए प्रसिद्ध है।

केन्द्र शासित प्रदेश लद्दाख के अन्तर्गत पाक अधिकृत गिलगित बलतिस्तान, चीन अधिकृत अक्साई चिन और शक्सगम घाटी का क्षेत्र भी शामिल है ।

सन 1963 में पाकिस्तान द्वारा 5180 वर्ग किलोमीटर का शक्सगम घाटी क्षेत्र चीन को उपहार में दिया गया ,जो लद्दाख का हिस्सा है । इसके उत्तर में चीन तथा पूर्व में तिब्बत की सीमाएँ हैं। सीमावर्ती स्थिति के कारण सामरिक दृष्टि से इसका बड़ा महत्व है।

लेह लद्दाख की प्राचीन सुंदरता एक आकर्षक रूप में है, यह जगह अपने प्राचीन मठों, अन्य धार्मिक स्थलों, रॉयल्टी के महलों, विभिन्न गोमपास, पर्वत चोटियों, वन्यजीव सफारी, साहसिक गतिविधियों के लिए प्रसिद्ध है। लद्दाख भारतीय, तिब्बती और साथ ही बौद्ध धर्म का एक मिश्रण है जो लद्दाख की विशेषता को दर्शाता है।

सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश, लद्दाख और पश्चिम बंगाल 3 देशों के साथ एक सीमा साझा करते हैं। लद्दाख अपनी सीमाएं पाकिस्तान, अफगानिस्तान और चीन के साथ साझा करता है।

लद्दाख में कुछ प्रमुख पर्यटक स्थलों में हेमिस, पंगोंग झील, त्सो मोरिरी झील, लेह शहर, नुब्रा घाटी, कारगिल शामिल है. यहां पर्यटक ट्रेकिंग का आनंद लेते हैं. लेह भारत के उत्तरी भाग में स्थित जम्मू और कश्मीर का एक प्रमुख शहर है. लेह एक पर्वतीय समृद्धि के साथ घिरा हुआ है और यहां के प्राकृतिक सौंदर्य के लिए विख्यात है.

पैंगोंग झील लद्दाख में, आप कभी नहीं जानते कि प्रकृति आपके लिए क्या आश्चर्य लेकर आई है। पैंगोंग झील, लगभग 4,350 मीटर की ऊंचाई पर स्थित, दुनिया की सबसे ऊंची खारे पानी की झील है। इसका पानी, जो नीले रंग में रंगा हुआ प्रतीत होता है, इसके आसपास के शुष्क पहाड़ों के बिल्कुल विपरीत है। लगभग 160 किमी तक फैली पैंगोंग झील का एक तिहाई हिस्सा भारत में और बाकी दो तिहाई हिस्सा चीन में है।

यहां स्थित द्रास घाटी में प्रकृति के कई वैभव हैं, इसकी कुछ विशेषताओं को प्रसिद्धि मिली और 1999 के कारगिल संघर्ष के दौरान इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में बहुत ध्यान केंद्रित किया गया था। तोलोलिंग, टाइगर हिल और मुश्को घाटी की युद्धकालीन स्थलाकृति आकर्षण के स्थान हैं।

यह लेह जिले का मुख्यालय है और जिले तथा पूरे लद्दाख़ प्रदेश का सबसे बड़ा शहर है। लेह समुद्र तल से 3,524 मीटर (11,562 फुट) की ऊँचाई पर, श्रीनगर से 160 मील पूर्व तथा यारकंद से लगभग 300 मील दक्षिण, लद्दाख पर्वत श्रेणी के आँचल में, ऊपरी सिंधु नदी के दाहिने तट से 4 मील दूर स्थित है।